निज गौरव को निज वैभव को लिरिक्स

निज गौरव को निज वैभव को,
क्यों हिन्दू बहादुर भूल गए,
उपदेश दिया जो गीता में,
क्यों सुनना सुनाना भूल गए,
निज गौंरव को निज वैभव को।bd।

रावण ने सीया चुराई तो,
हनुमान ने लंका जलाई थी,
अब लाखों सीते हरी गई,
क्यों लंका जलाना भूल गए,
निज गौंरव को निज वैभव को,
क्यों हिन्दू बहादुर भूल गए,
निज गौंरव को निज वैभव को।bd।

कान्हा ने रास रचाया था,
दुष्टों को मार भगाया था,
अब रास रचना याद रहा,
क्यों चक्र चलना भूल गए,
निज गौंरव को निज वैभव को,
क्यों हिन्दू बहादुर भूल गए,
निज गौंरव को निज वैभव को।bd।

राणा ने राह दिखाई थी,
शिवराज ने भी अपनाई थी,
जिस राह पर बंदा वीर चला,
उस राह पर चलना भूल गए,
निज गौंरव को निज वैभव को,
क्यों हिन्दू बहादुर भूल गए,
निज गौंरव को निज वैभव को।bd।

केशव की है ललकार यही,
है भारत माँ की पुकार यही,
जिस गोद में पलकर बड़े हुए,
क्यों मान बढ़ाना भूल गए,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

निज गौंरव को निज वैभव को,
क्यों हिन्दू बहादुर भूल गए,
निज गौंरव को निज वैभव को।bd।

निज गौरव को निज वैभव को,
क्यों हिन्दू बहादुर भूल गए,
उपदेश दिया जो गीता में,
क्यों सुनना सुनाना भूल गए,
निज गौंरव को निज वैभव को।bd।

Singer – Suryakant Keshari

प्रेषक – मोहित कुमार कनौजिया बजरंगदल।
लखीमपुर 9913775196

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com